

का मैदान 7. तोप लादने की गाड़ी 8. चरखट, पक्ष, दल।

फड़क स्त्री. (देश.) 1. फड़कने की क्रिया या भाव, फड़कन, फड़फड़ाहट, फड़कन, उत्सुकता।

फड़कन स्त्री. (देश.) दे. फड़क वि. भड़कने वाला (पशु आदि), चंचल।

फड़कना अ.क्रि. (देश.) 1. 'फड़' या 'फड़-फड़' की ध्वनि करना, शरीर का इस प्रकार का कंपन कि 'फड़-फड़' की ध्वनि हो, भय या विपत्ति के समय पक्षियों के पंखों का जल्दी-जल्दी कंपन या हिलना, फड़फड़ाना, शरीर के किसी अंग का थोड़ी-थोड़ी देर में उभरना और दबना उदा. आँखें फड़कना, स्फुरण 2. किसी विलक्षण सौंदर्य पर मन में प्रशंसा-भाव का होना, भाव-विभोर होना, एकाएक भावावेश में आना, मुग्ध/प्रसन्न होना 3. चंचल होना, उत्तेजित होना, जोश में आना, जोशीला होना।

फड़काना स.क्रि. (देश.) 1. किसी को उत्साहित कर देना, फड़कने में प्रवृत्त करना 2. उत्तेजित करना, भड़कना, उमंग में लाना।

फड़नवीस पुं. (फा.) फा. फड़नवीस, मराठों के शासन में एक बड़ा राजपद-हिसाब किताब की पंजी, रजिस्टर या आज्ञा पत्र अर्थात् हुक्मनामों अथवा निमंत्रणों आदि के सूची पत्र लिखने वाला अथवा जिसकी देखरेख में ये सारे कार्य हों।

फड़फड़ाना अ.क्रि. (देश.) 1. 'फड़-फड़' की ध्वनि होना या करना, भय/विपत्ति भयंकर चोट के समय पक्षियों का जल्दी-जल्दी पंख मारना 2. भारी संकट की संभावना से व्याकुल होना और उससे मुक्त होने के लिए प्रयत्न करना, किसी वस्तु/व्यक्ति आदि को देखने या पाने के लिए बहुत चंचल, उत्सुक अथवा व्याकुल होना।

फड़बाज पुं. (देश.) अपने घर पर लोगों को जुआ खिलाने वाला।

फड़िया पुं. (देश.) खुदरा दुकानदार, फड़बाज।

फड़ुआ पुं. (देश.) फावड़ा, मिट्टी खोदने का फारसा, कुदाल, फड़ुरा।

फण पुं. (तत्.) 1. साँप का फन, नासापुट, नथना 2. रस्सी का फंदा।

फणधर पुं. (तत्.) 1. सर्प, साँप 2. शिव।

फणा पुं. (तत्.) (साँप का) फन।

फणिक पुं. (तद्.) साँप, फतिंगा, परदार कीड़ा, पतंगा, परवाना।

फणिपति पुं. (तत्.) 1. शेषनाग 2. वासुकि नाग, बड़ा साँप, फणिनायक, बड़ासर्प, फणीश, फणीश्वर, सर्पों/नागों का राजा 3. महाभाष्य के रचयिता पतंजलि का एक नाम।

फणिमुक्ता स्त्री. (तत्.) साँप की मणि, सर्पमणि, फणमणि।

फणींद्र पुं. (तत्.) 1. फणिपति, फणीश, फणीश्वर, सर्पों/नागों का राजा, सर्पराज, नागराज 2. शेष नाग, वासुकि 3. महाभाष्य के रचयिता पतंजलि का एक नाम।

फणी पुं. (तत्.) 1. सर्प, साँप 2. राहु 3. महाभाष्यकार पतंजलि 3. रांगा नाम की धातु पु. (अर.) किसी बात के उचित या अनुचित होने के बारे में इस्लाम या शरीयत के अनुसार दी जाने वाली व्यवस्था, फतवा।

फणीश पुं. (तत्.) 1. शेषनाग, वासुकि, सर्पों/नागों का राजा 2. (महाभाष्यकार) पतंजलि।

फतवा पुं. (अर.) इस्लाम में किसी मजहबी विषय पर मजहबी अधिकारी का निर्णय या आदेश।

फतह स्त्री. (अर.) 1. विजय, जीत 2. सफलता, कामयाबी, कृतकार्य।

फतहमंद वि. (अर.) विजयी, सफल, कामयाब।

फतिंगा पुं. (देश.) 1. पतंगा, झिंगुर, शलभ 2. टिड्डी।

फतीलसोज पुं. (अर.फा.) 1. धातु की दीवट जिसमें अनेक दीए ऊपर-नीचे बने होते हैं, चौमुख 2. दीवट, शमादान, चिरागदान 3. दीप वृक्ष।